>

Title: Need to open Public Health Centres in Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): मैं इस सदन का ध्यान जन औषधि की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। वर्तमान में रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है और उपचार महंगा हो गया है। सरकारी अस्पतालों में लम्बी वेटिंग लिस्ट है और ब्रांडेड दवाइयां काफी महंगी हो रही हैं। सरकार द्वारा जन औषधि के केन्द्र स्थापित करने व उनके व्यापक प्रचार--प्रसार से रोगियों को विभिन्न रोगों के उपचार के लिए सस्ती औषधि उपलब्ध हो सकती है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले पर्वतीय राज्य विशेषकर उत्तराखंड राज्य में वैसे ही समुचित स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। ज्यादातर वन क्षेत्र होने, जंगली जानवर तथा दुर्गम रास्तों के चलते वहां रोगियों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पर्याप्त पहुंच नहीं है। आय स्तर कम होने से वहां के निवासी डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाइयों का कोर्स पूरा नहीं कर पाते हैं। यदि वहां जन औषधि केन्द्र खोल दिए जाएं तो रोगों का समय से निदान हो सकता है। ब्रांडेड दवाइयों की कीमत से 100 से 400 प्रतिशत कम कीमत पर जन औषधि उपलब्ध हो जाती है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह उत्तराखंड की राज्य सरकार को निर्देशित करे कि वह जन स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए राज्य में विशेषकर सुदूरवर्ती क्षेत्रों में अधिक से अधिक जन औषधि केन्द्र खुलवाने के लिए एवं उनके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए समुचित कार्यवाही करे।